SET-4

Series : GBM/C

Code No.

Roll No.

Candidates must write the Code on the title page of the answer-book.

- Please check that this question paper contains 4 printed pages.
- Code number given on the right hand side of the question paper should be written on the title page of the answer-book by the candidate.
- Please check that this question paper contains 18 questions.
- Please write down the Serial Number of the question before attempting it.
- 15 minute time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 10.15 a.m. From 10.15 a.m. to 10.30 a.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.

स्त्रगार्च **MANIPURI**

Æ5°# ∷ ∑∏∏ 3

Time allowed: 3 Hours

प्रगाद्रष्ट्र से भागः : 100

Maximum Marks: 100

म्हिं आर एक प्राट्टेट प्रमहोहरू प्राप्त ? India's largest Stul

स्राण हिल्दा समित्र १ रेजन्य मिस्र शेणाइ.

2 + 3 = 5

ल्याणि अर्जेणार मम्बर्ट ४००% स्मार्भिय गाहिन

-:स्रण्थे प्रभूत भारत्य एतम भारत्य प्राण्या भारत्य प्राण्या हर्म अधिक स्वर्म

 $1 \times 5 = 5$

- स्र्यात यज्ञयं स्राहेष्ट मार्ग्या व्याच्या स्राहेष्ट
- अर रेट रिमा का माजा मिला मिर्स मित
- रोमए लूपको ज्ञान मञ्जा प्रश्रहिष
- ए सम्भूष्या ड्राग्य
- क्रीणमधील, मामणादर्माद

[P.T.O. 11



- स्त्रोणी प्रेक्शात प्रात्य प्राप्त प्राप्त क्ष्या क्ष्य क्ष्या क्ष्य प्रात्य क्ष्य प्रात्य प्रात्य क्ष्य क्ष्
 - (क्षा) क्रांचा कर्ण मध्य प्राप्त (क्रांचित (क्रांचित क्रांचा क्रांचा
 - (ന) प्रेष्ठ स्ता कर्ष प्रमण प्रेयोधमा हरमः (लामगात നംഭരം അത
 - स्ले जामध्रहत संज्ञात मास्त्र क्षेत्र प्रमाण जार्थम प्रहेस ए. क्षेत्र क्षेत्र
 - क्रमात्र क्रमात्र विवास क्रमात्र (प्रक्रमास्म निवास क्रमार क्रमात्र क्रमात
 - (गार) सञ्चा वाचे पा देश्या असम्बद्धाः असम्बद्धाः वाचे व्या (गार)
- इरोगार मज़्ह्यार गाणिरें र्घ राठें जाभार रिष्य पार्था पार्थम पार्थम पार्थम गार्थम

सिप्पेत्रहेलू रिष्ठ प्रसारी. प्रमारक्षी प्रेतिका प्रक्रि रिष्ठलीयाए ऋण्डर प्रसन्नी सञ्चा प्रली แบบ และ และ เลื่อ เลื่อ เลื่อ เลื่อ เลื่อ เลื่อ เลื่อ เมื่อ เลื่อ เมื่อ เลื่อ เมื่อ เลื่อ เมื่อ เลื่อ เมื่อ เลื่อ เมื่อ अधारिक में प्रताप के प्रताप के जाते के जाते के जाते के जाते हैं जिसके जिल्ला है जिसके जिल्ला है जिसके जिल्ला है गारेमर्थंटी, गारेणाप्नर्टी. ॐजापूमरुलूण सलीॐरही सङ्स गारूमरसण्ड रोधख्डे. सहम गार्भरस्णाङ रहे एण्डा स्वाम प्रमुख सिप्प केष्ठ प्रामाण प्रमाण प्रमाण अध्यय साम अध्यय सिप्प केष्ठ सिष्टि केष्ठ सिप्प केष्ठ सिप् ररेभण्ड. स्रभीट नेप्रहरू सी प्रसट सरहा वासम्म रहण प्रमू सरोम गार्नेटाए वासफ्र गार्लेड

- யூல் ததர முறை கிறிய முறிய நிறிய விறிய வி
- (5)
- महि क्याहर जा अमा कर ने मार मारहेम आए निरा भाषा जा है है ।
- सर्फेन्न जाति विषय क्रिसिक्त के क्रिसिक्त क्रि (血る。) 血性 235:-
 - स्म मञ्जात श्राप्ट्रम ग्राप्ट भ्राप्ट्रम स्म
 - गारेश्वर॰न प्र॰ गारेशार्ग प्रोएए ह
 - प्राप्त क्रिया क्रिया के अध्यात क्रिया प्राप्त क्रिया कर विषय **(5)**
- उन्हें सर्वाणिक स्वामा असमी प्रत्य व्याली सेखएए देसिएए स्वापिक सेवा

11



8.	स्त्रोणी आरेख्निक क्ष्मणीय व्यवस्था विश्वस्था विश्वस्य विश्वस्था विश्वस्य विश्वस्था विश्वस्था विश्वस्था विश्वस्था विश्वस्था विश्वस्था विश्वस्था विश्वस्था	= 6
	(മ്മ) អ ឃោលខេត្ត ក្នុង ក្នុង ក្រុង	
	ത്ര स्टूर हिंद्य (ന)	
9.	रुद्धा क्रम क्रम होता के प्राप्त क्रम क्रम क्रम क्रम मुद्धार	6
	(म्य) वेसे त्राह्म क्रिया प्राप्त क्रिया हुन है	76
	(ம ு ஒ ளா)	
	(ന) "ए॰ए क्र॰र गाए॰ ए४४००क, प्रकार क्रिक्ट होना है एक्ष्य एक्ष्य होना है	<u></u>
10.	ത്തിയ പ്രത്യായ പ്രത്യായ ക്രിക്ക് വരുന്നു വരു പ്രത്യായ പര്യായ പരവര്യ പര്യായ പരവര്യ പര്യായ പരവര്യ പരവര്യ പര്യായ പരവര്യ പര്യായ പര്യവര്യവര്യ പരവര്യവര്യ പരവര്യവര്യ പര്യവര്യവര്യ പരവര്യവര്യവര്യവര്യവര്യവര്യ പര്യവര്യവര്യവര്യവര്യവര്യവര്യവര്യവര്യവര്യവ	6
11.		_
	प्रोहम प्पर्णी ज्रुप्तम आरीष्ट्रिए राष्ट्रिक पाए एएँएँ.	6
12.	\mathbf{u} ए कि रुनटाए क्रिक्ट \mathbf{u} ए आरे क्षित्र में आर्रियः - \mathbf{u} । \mathbf{u}	= 8
	(国) 'ergi' 「中国' 「中国' 「中国' 「中国' 「中国' 「中国' 「 「 「	= 4
	(ന) 'ച്യൂന് നുട്ട പുരുന്നു പുരുന്നുന്നു പുരുന്ന	
	1+3=	= 4
	(ठ) ധൗരുന ट्रेक्ट र्याण्य प्राप्ति क्ष्या प्राप्ति क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या (ठ)	ŗ
	መ ኢ ሕ ደየ ⁶ ? 3 + 1 =	= 4
13.	स्त्रीण प्रेट्र गारिस्न मूरस्रात गारिष्ण प्राणिष्ण प्राणिष्ण प्राणिष्ण विस्तर गारिस्न गारिस्न गारिस्न गारिस्न	= 4
	() 'म्रिस्ट्रेस प्राट्णाण्ट्र प्राय्या (प्राय्या) 'स्रिस्ट्रेस प्राय्या (प्राया) 'स्रिस्ट्रेस प्राय्या (प्राय्या) 'स्रिस्ट्रेस प्राय्या (प्राया) 'स्रिस्ट्रेस प्राया (प्राय) 'स्रिस्ट्रेस प्राया (प्राय) 'स्रिस्ट्रेस	
	(റാ) മുന്നു മുറ്റെ ലംബര ടുന്നു മുവു വെപ്പും വരു പുരു വരു വരു വരു വരു വരു വരു വരു വരു വരു	
	(ठ) '৯ <u>њ</u> रूट നിന്നും പ്രസ്ഥാന്ത്ര വാധ്യാത്ര വാധ്യ വാധ്യാത്ര വാധ്യ വാധ്യ വാധ്യാത്ര വാധ്യാത്യ വാധ്യാത്ര വാധ്യാത്ര വാധ്യാത്ര വാധ്യാത്ര വാധ്യാത്ര വാധ്യാത്ര വാധ	

(स) जेम भाज मजम ठीज्य गरीव्हर उद्धिया गाभ्रमित (स)

11

[**P.T.O.**

नः दूरत जण मज्ञल जूरा के ज्या निमा प्राप्तमा मज्ञादि ।

6

प्रेप्त पण्णी म्ह एवस प्रजीण ल्यामी प्रविक्र क्रिक्षमञ्ज ठार्थरक्त

(T450)

- (ന) प्राप्तरण प्राप्तरण उत्र विषय ट एमए ट फ्रोफ ले ४ ट ४ म ण्या मार्भिण

- 17. 'ឃ្លឹស ឃ្លាចស ប្រសាស ប្រឹប ឃ្លាចសហាំយស្ ឃាមកស ប្រឹស្ស", ក្រុកស្រែប ក្រុម ក្រុម អាមាធិប្រ ក្រុម ប្រឹក្សា ប្រឹក ប្រឹក្សា ប្រឹក ប្រឹក្សា ប្រឹក្សា ប្រឹក្សា ប្រឹក្សា ប្រឹក្សា ប្រឹក្សា ប្រឹក្ស

 - 'ररेमन आरे ४ मा कि मा ए मा मा ए ।
 - 'मण णाष्ठण्य द्वे प्रके में प्राप्त क्या जात्रहर्त क्या कि स्वाप्त क्या कि स्वाप्त क्या कि स्वाप्त क्या कि स्व (5)
 - श्वाष्ठस्य भाषा ग्रेष्ठा किन्य केल्या हिन्य कार्याप्ट कार्येस, अस्त्र कार्या के अस्त्र कार्य के अस्त्र के अस्त
 - .स्यार्थ उध्य गाठवर्द 'भंगर' (गार)

11

